तापमान

अधिकतम 42 डिग्री

न्यूनतम 29.0 डिग्री

हरिभूमि

रायगढ़-जशपुर भूमि

बिलासपुर, बुधवार 10 जून 2026

4 बिरहोर बच्चे बीच में छोड़ देते थे पढ़ाई, जेपीएल ने ली जिम्मेदारी, अब पढ़ते हैं अंग्रेजी माध्यम स्कूल में

10वीं-12वीं पास विद्यार्थी ध्यान दें- औद्योगिक सुरक्षा एवं अग्निशमन प्रशिक्षण द्वारा नौकरी सुनिश्चित करें...

भिलाई। संस्था फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान है, भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण हेतु भर्ती योग्यता 10वीं 12वीं एवं स्नातक एवं स्नाकोत्तर किसी भी संकाय आयु 17 से 40 वर्ष फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कर्मचारी पार्ट टाइम फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते है, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विकास हेतु पंजीकृत FSDMI BHILAI मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्ध कराना है, फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कार्गो हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों हेतु अवसर मिलते हैं तथा भविष्य में पदोन्नति की भरपुर संभावनाएं होती है साथ ही फायर एवं सेफ्टी ऑफिसर स्वयं रोजगार के लिए समर्थ होते हैं अनुमानित जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 फायरमैन एवं अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की संभावना है, संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं

इच्छुक छात्र- छात्राएं आवेदन करें

विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार (DRDO), भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, एवं अन्य कंपनियों में ठेकेदारी बेस से कार्यरत कर रहे है संस्था FSDMI भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण की जानकारी सूचना केंद्र में बताई जाएगी, संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाएं प्रशिक्षण के दौरान आत्मनिर्भरता के लिए सुविधा अनुसार पार्ट-टाइम, फुल-टाइम नौकरी दिलवाने में सहायता की जाती है जिससे छात्र-छात्राएं अपनी प्रशिक्षण की शुल्क एवं रहने और खाने क्या खर्च स्वयं से निकाल सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों एवं सफल अभ्यार्थियों को सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जावेगा। प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगने में सहायता की जाती है, सभी जाति वर्ग के (SC, ST, OBC, GENERAL) संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी। **अधिक जानकारी के लिए-**

पताः फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, (निजी संस्थान) इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, नजदीक गदा चौक, सुपेला भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क करें: मो. 7697212782

Advt.

खबर संक्षेप

जुआ फड़ पर पुलिस की रेड, पांच गिरफ्तार

रायगढ़। कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूछापारा तालाब के पास जुआ खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से नकदी राशि प्रयुक्त सामग्री जब्त की है। मिली जानकारी के अनुसार 8-9 जून की दरम्यानी रात को थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। पूछापारा तालाब के पास जुआ खेलने की शिकायत मिली थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दबिश देकर पांच जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में कृष्णा निराला, सूरज कुमार निराला, मोहन वासुदेव, कुश साहू और अमर यादव शामिल हैं। सभी आरोपी रायगढ़ शहर और आसपास के क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने जुआ फड़ से 8 हजार 650 रुपए नकद, 52 पत्ती ताश की गड्डी और एक दरी जब्त की। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3,2 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

विशेष लोक अदालत में समझौते से निराकरण

रायगढ़। न्याय को सरल एवं सुलभ तरीके से घर-घर तक पहुंचाने तथा आपसी सहभागिता और सहमति से न्याय की भावना को मूर्त रूप देने के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह विशेष लोक अदालतद्ध 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के तहत सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का सुलह एवं आपसी सहमति के आधार पर निराकरण किया जाएगा। समाधान समारोह विशेष लोक अदालत 2026 के तहत 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय परिसर में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके पूर्व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति कार्यालयों में सुलह बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायगढ़ द्वारा इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है तथा सचिवए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ऐसे पक्षकार, वादी.प्रतिवादी अथवा अधिवक्ता जिनके मामले माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं वे समाधान समारोह विशेष लोक अदालत 2026 में शामिल होने के लिए 31 जुलाई तक गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी सहमति प्रदान कर सकते हैं।

शराब का अवैध परिवहन करते बाइक जब्त

रायगढ़। आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 9 लीटर देशी एवं विदेशी शराब जब्त की है। प्राप्त शिकायत के आधार पर आबकारी उप निरीक्षक श्रीमती रागिनी पटेल ने आज अपनी टीम के साथ आबकारी वृत्त रायगढ़ शहर क्षेत्र में छापेमार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान धांगरडीपा निवासी विश्वनाथ देवांगन को अवैध रूप से शराब का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 30 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 20 पाव विदेशी मदिरा गोल्डन गोवा व्हिस्की सहित कुल 9 लीटर शराब बरामद की गई। इसके अलावा शराब परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर की टीवीएस सुपर एक्सल मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। जांच में यह पाया गया कि आरोपी मोटरसाइकिल के माध्यम से अवैध रूप से शराब का परिवहन कर रहा था। इस पर आबकारी विभाग ने आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण दर्ज किया।

की गई थी 500 से अधिक पुलिस जवानों की तैनाती

प्रगति नगर के बाद अब एक और मोहल्ला जमींदोज, जोगीडीपा के 29 मकान ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

प्रगति नगर के बाद अब शहर का एक और पुराना मोहल्ला जमींदोज हो गया है। सदियों से बसे इस मोहल्ले का इतिहास अब यहां के मलबे में दफन हो गया है। कुछ दिनों तक वहां के रहवासी आंसू बहाएंगे, इसके बाद स्वतः ही भूल जाएंगे। पहले चरण में जोगीडीपा के 29 मकानों को ध्वस्त किया गया है। बूलडोजर चलाने के दौरान किसी तरह का कोई तनाव न हो इसके लिए वहां जितने परिवार रहते थे उससे ज्यादा पुलिस जवानों की तैनाती कर दी गई थी। सुबह-सुबह जब पुलिस जोगीडीपा मोहल्ले में पहुंची तो एक बारगी लगा कि यहां कर्फ्यू जैसे हालात निर्मित होगा, लेकिन ऐसा कुछ हुआ। पहले ही वहां के लोगों को दूसरे जगह पर शिफ्ट कर दिया गया है। गिने चुने लोग ही वहां मौजूद थें जो किसी तरह के विरोध करने की स्थिति में ही नहीं थे। दूसरी ओंर जोगीडीपा के करीब 29 मकानों पर पहलें चरण में बुलडोजर चलाया गया है। मंगलवार की सुबह सूरज निकलने के साथ ही 500 पुलिस जवानों की सुरक्षा घेरे के बीच नगर निगम का तोड़ अमला बुलडोजर के साथ जोगीडीपा मोहल्ले में पहुंचा। इस दौरान नगर निगम आयुक्त, तहसीलदार सहित पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। बता दें कि इन मकान में रहने वाले परिवारों को पहले ही सूर्याविहार कॉलोनी स्थित ईडब्ल्यूडी की बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया है। गौरतलब है कि मई माह के अंतिम सप्ताह में जोगीडीपा में रहने वाले करीब 33 परिवारों को केनाल लिंक रोड निर्माण के लिए नोटिस जारी करते हुए मकान खाली करने के निर्देश दिए गए थे। इसको लेकर शुरूआत में काफी विरोध भी मोहल्लेवासियों ने किया था। जिसके बाद विस्थापन की व्यवस्था की मांग को लेकर प्रभावित परिवार नगर निगम कार्यालय भी पहुंचे थे, इस दौरान उन्हें सुव्यवस्थित पुनर्वास को लेकर आश्वास्त किया गया था। इसके बाद नगर निगम की टीम ने सभी प्रभावित परिवारों को सूर्या विहार स्थित ईडब्ल्यूएस बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया। मंगलवार की सुबह करीब 6 बजे नगर निगम की टीम जोगीडीपा पहुंची, इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। बताया जा रहा है कि बिलासपुर संभाग के विभिन्न जिलों से करीब 500 पुलिस जवानों को बुलाया गया था। जोगीडीपा में दाखिल होने के साथ ही एक एक कर मकानों व दुकान पर बुलडोजर चलाया गया। जानकारी के अनुसार मंगलवार को पहले चरण में 29 मकानों को तोड़ा गया। इसमें रोड किनारे स्थित कुछ कबाड़ के दुकान भी शामिल हैं। बता दें कि जोगीडीपा से मरीन ड्राइव तक 22.55 करोड़ रूपए की लागत से करीब 1 किलोमीटर केनाल लिंक रोड का निर्माण किया जाना है। इसकी लंबाई करीब 1 किलोमीटर और चौड़ाई 18 मीटर होगी।

बाबूपारा में भी टूटे 2 मकान

जानकारी के अनुसार यह केनाल लिंक रोड चांदनी चौक स्थित कंदाईजोर पुलिया के बाद नगर निगम की खाली पड़ी जमीन से होते हुए मरीन ड्राइव में जोड़ा जाएगा। यही वजह है कि पहले चरण में बाबूपारा मोहल्ले के भी 2 मकानों को तोड़ा गया है।

पुनर्वासित परिवारों के साथ बैठकर निगम आयुक्त ने किया भोजन

केनाल लिंक रोड निर्माण के लिए पुनर्वासित किए गए परिवारों को सूर्या विहार में केवल आवास ही नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। नगर निगम प्रशासन द्वारा पुनर्वासित परिवारों के लिए नाश्ते के साथ दोनों समय भोजन की व्यवस्था की गई है। मंगलवार को नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने पुनर्वास स्थल पहुंचकर परिवारों के साथ बैठकर भोजन कियाए उनकी समस्याएं सुनीं और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। इस दौरान आयुक्त श्री क्षत्रिय ने कहा कि पुनर्वास केवल लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का कार्य नहीं हैए बल्कि उन्हें बेहतर और सुरक्षित जीवन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि निगम प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि किसी भी परिवार को नए आवास में बसने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध हों।

मौहापाली में सरकारी जमीन पर माफिया कर रहा डोलोमाइट का अवैध खनन

सरिया। अवैध डोलोमाइट खदानों में अनियंत्रित और खतरनाक ब्लास्टिंग को लेकर ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर के जन दर्शन में ज्ञापन सौंप कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ब्लास्टिंग से आसपास के घरों में दरारें पड़ने और हादसों का खतरा बढ़ने के कारण लोगों ने सुरक्षा और अवैध खनन पर पूर्ण प्रतिबंध की गुहार लगाई है। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अंतर्गत तहसील मुख्यालय सरिया के ग्राम पंचायत कटंगपाली अ के आश्रित ग्राम मौहापाली इन दिनों अवैध डोलोमाइट खनन माफियाओ के चंगुल में फड़फड़ा रहा है। सभी ओर अवैध खनन की बाढ़ आ गई है। ऐसे ही अवैध डोलोमाइट खनन से गांव में हुए अवैध ब्लास्टिंग से पूरा गांव थर्रा रहा है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने मंगलवार को कलेक्टर जन दर्शन सारंगढ़ बिलाईगढ़ पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने बताया कि अवैध डोलोमाइट खनन और ब्लास्टिंग के कारण अक्सर स्थानीय लोगों और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बनती है। ऐसे मामलों में आमतौर पर जन दर्शन में दी जाने वाली शिकायतों पर कार्यवाही की मांग की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि ब्लास्टिंग के कारण मकान को होने वाले नुकसान, उड़ने वाले धूल से जन स्वास्थ्य पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव मवेशियों व नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा प्रमुख है। कलेक्टर जनदर्शन में दिए आवेदन में ग्रामीणों ने लिखा है कि ग्राम पंचायत कटंगपाली अ के आश्रित ग्राम मौहापाली एक अवैध खनन माफिया की द्वारा डोलोमाइट खदान में ब्लास्टिंग किया गया।

उधारी के पैसे मांगने पर महिला से मारपीट, दो सगे भाई गिरफ्तार

रायगढ़। घरघोड़ा थाना क्षेत्र में उधार के पैसे वापस मांगना एक महिला को भारी पड़ गया। पैसे की मांग से नाराज दो सगे भाइयों ने महिला के घर में घुसकर उसके साथ गाली गलौज और मारपीट कर दी।

मामले की शिकायत मिलते ही घरघोड़ा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बैहामुड़ा निवासी धनेश्वरी साहू छाल रोड स्थित अपने घर से लगे ढाबे का संचालन करती हैं। करीब एक वर्ष पहले उन्होंने अपने परिचित जितेन्द्र साहू को जरूरत पड़ने पर 5 हजार रुपये उधार दिए थे। महिला द्वारा कई बार रकम वापस मांगने पर आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। बताया गया कि 8 जून की शाम करीब 4 बजे जितेन्द्र साहू और उसका भाई राजेन्द्र साहू महिला के ढाबा.नुमा घर में पहुंचे और उधार के पैसों को लेकर विवाद करने लगे। इस दौरान दोनों ने महिला के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गाली गलौज की और विरोध करने पर मारपीट कर धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़िता ने थाना घरघोड़ा पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने दर्ज करते हुए की धारा 333, 296, 351,3ए 115,2 एवं 3,5 के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने तत्काल आरोपियों की तलाश शुरू की। दबिश देकर पुलिस ने जितेन्द्र साहू और राजेन्द्र साहू दोनों निवासी बैहामुड़ा घरघोड़ा को हिरासत में लिया। पूछताछ और पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

धनागर के भूतपूर्व उपसरपंच के घर से नकली शराब का जखीरा बरामद, चायपत्ती की करते थे मिलावट

दूसरे प्रांतों की शराब को बनाते थे लोकल

ढक्कन में लगाते थे नकली होलोग्राम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

ग्राम पंचायत धनागर का भूतपूर्व उपसरपंच के घर से बड़ी मात्रा में नकली शराब का जखीरा पुलिस ने बरामद किया है। वह बीते करीब 6 साल से नकली शराब बनाकर ग्राम धनागर सहित आस-पास के गांवों में बिक्री कर अवैध मुनाफा कमा रहा था।

ताज्जुब की बात तो यह है कि इतने बड़े पैमाने पर भूतपूर्व सरपंच द्वारा चलाए जा रहे इस गोरख धंधे की भनक ना तो पुलिस को लगी और ना ही आबकारी विभाग को। ऐसे में इनकी कार्यशैली पर भी अब सवाल उठना लाजमी है। यहां दूसरे प्रांतों के शराब लाकर लोकल शराब का लेबल लगाकर बिक्री की जा रही थी। इसमें रेड लेबल का चाय पत्ती तक का उपयोग किया जाता था। नकली शराब की नकली बोतल की ढक्कन में नकली होलोग्राम भी लगाई जाती थी। ग्राम धनागर में बड़ी मात्रा में अवैध शराब बनाकर बेचने की सूचना पर पुलिस व आबकारी विभाग ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए पंचायत के भूतपूर्व उप सरपंच दुष्यंत पटेल उर्फ पप्पू पिता

इस तरह बनाता था नकली शराब

ग्राम धनागर में कार्यवाही करने पहुंची पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम को पूछताछ में आरोपी भूतपूर्व उपसरपंच दुष्यंत पटेल उर्फ पप्पू ने बताया कि वे तीनों मिलकर अरूणाप्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ से शराब खरीद्ते थे और बाद में उसमें स्प्रिट एवं अन्य पदार्थों के साथ रेड लेबल चायपत्ती का उपयोग कर शराब की मात्रा बढ़ा देते थे। वहीं पुरानी शराब की बोतलों को एकत्र कर उसकी सफाई करने के बाद उन पर नकली लेबल व होलोग्राम लगाकर उसकी पैकिंग की जाती थी। इसके बाद इस नकली शराब को कोचियों के माध्यम से असली शराब के साथ बाजार में बेचने के लिए भेज दिया जाता था।

कार्रवाई से बचकर दो आरोपी फरार

इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दुष्यंत पटेल अपने भाई सुभाष पटेल व विनय सिंह के साथ मिल कर नकली शराब बेच कर मुनाफा कमाता था। जब संयुक्त टीम उसके घर पहुंची तब आरोपी का भाई सुभाष पटेल मौका पाकर फरार हो गया । वहीं इनका साथी विनय सिंह को भी जब इस कार्रवाई की जानकारी हुई तब वह भी नौ दो ग्यारह हो गया। हालांकि इनकी पतासाजी की जा रही है। पुलिस के अनुसार यह कोरोना काल से नकली शराब बेच रहे हैं, लेकिन सूत्र बताते हैं कि इससे पहले से ही इनका यह गोरखधंधा चल रहा था।

स्वामी आत्मानंद और सरकारी स्कूलों में अब ज्यादा फीस देनी होगी

सरकारी स्कूल के बच्चों पर फीस का बोझ, नए सत्र से पालकों की जेब ढीली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अधिक स्थानीय शुल्क चुकानी होगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने फीस दरों में संशोधन करते हुए नई शुल्क व्यवस्था लागू करने का आदेश जारी कर दिया है। इससे हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्तर के विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ेगा।

विभागीय आदेश के अनुसार हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों की स्थानीय फीस 410 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दी गई है। वहीं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अब 445 रुपये के स्थान पर 550 रुपये शुल्क जमा करना होगा। नई दरें आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रभावी होंगी। शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक यह बढ़ी हुई फीस केवल सरकारी स्कूलों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों तथा अनुदान प्राप्त विद्यालयों में भी लागू होगी। इससे जिलेभर के हजारों विद्यार्थियों और अभिभावकों पर सीधा असर पड़ेगा । शिक्षा विभाग का कहना है कि विद्यालयों के संचालन, रखरखाव, खेलकूद, प्रयोगशाला, शैक्षणिक गतिविधियों और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए शुल्क में संशोधन किया गया है। बढ़ी हुई फीस से स्कूलों को अतिरिक्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे, जिससे बुनियादी सुविधाओं और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने में मदद मिलेगी। हालांकि फीस वृद्धि के फैसले को लेकर अभिभावकों में मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कई अभिभावकों का कहना है कि महंगाई के दौर में शिक्षा पर बढ़ता खर्च परिवारों के बजट को प्रभावित करेगा, जबकि विभाग इसे स्कूलों के विकास और बेहतर प्रबंधन के लिए आवश्यक कदम बता रहा है। बताया जा रहा है कि कक्षा पहली से आठवीं तक की शिक्षा पहले की तरह निशुल्क रहेगी और इस निर्णय का प्रभाव केवल कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों पर पड़ेगा। गौरतलब है कि वर्ष 2019 में शुरू की गई स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा उपलब्ध कराना था। इस योजना के तहत जिलेभर में अंग्रेजी और हिंदी माध्यम के उत्कृष्ट विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। विपक्षी दलों और कई अभिभावक संगठनों ने इस फैसले का विरोध करते हुए आरोप लगाया है कि इससे सरकारी मॉडल स्कूलों में पढ़ाई महंगी हो जाएगी और गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो सकती है।

वित्तीय व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद

नई शुल्क व्यवस्था लागू होने के बाद अब विद्यार्थियों को प्रवेश और वार्षिक शुल्क जमा करते समय पहले की तुलना में अधिक राशि का भुगतान करना होगा। इससे सरकारी और अनुदान प्राप्त विद्यालयों की वित्तीय व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है। राज्य सरकार ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों तथा पीएमश्री स्कूलों में अध्ययनरत हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्तर के विद्यार्थियों से विभिन्न मदों में शुल्क लेने का निर्णय लिया है।

इस तरह बढ़ा स्थानीय शुल्क

जारी निर्देशों के मुताबिक अब कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को कार्यानुभव शुल्क, विज्ञान निधि, खेलकूद निधि, परीक्षा शुल्क और विकास समिति शुल्क सहित अन्य मदों में निर्धारित राशि जमा करनी होगी। जानकारी के अनुसार हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों से लगभग 445 रुपये तथा हायर सेकेंडरी स्तर के विद्यार्थियों से करीब 550 रुपये तक शुल्क लिया जाएगा।

फैक्ट फाइल

मद	हाई	हायर
कार्यकलाप	65	75
निर्धन छात्र सहायता निधि	15	15
विज्ञान क्लब निधि	25	30
बलचर निधि	60	60
रेडक्रॉस निधि	30	30
क्रीडा निधि	65	75
विज्ञान प्रायोगिक निधि	65	85
परीक्षा शुल्क	175	180

स्वामी आत्मानंद व पीएम श्री स्कूलों सहित अन्य अनुदान प्राप्त शासकीय स्कूलों के लिए नई फीस दरों को लेकर शासन से आदेश प्राप्त हुआ है। यह सभी शुल्क नए शैक्षणिक सत्र से लागू होंगी।

केव्ही राव
जिला शिक्षा अधिकारी

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना के घायलों को नहीं मिली एंबुलेंस

जशपुरनगर। कुनकुरी में हुए सड़क हादसे के घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस नसीब नहीं हुई। घायलों को एक डाले में लिटाकर चिलचिलाती धूप में अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान घायल गर्म डाले पर दर्द से कराहते रहे। जिले के कुनकुरी में हुए एक सड़क हादसे का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सिर्फ एक्सीडेंट नहीं दिख रहा, बल्कि एक ऐसी तस्वीर भी दिखाई दे रही है जो कई सवाल खड़े कर रही है। कुनकुरी जनपद कार्यालय के सामने पल्सर और स्कूटी की जोरदार टक्कर हुई। हादसे में दोनों पक्ष घायल हुए, दर्द से कराह रहे थे और उन्हें तत्काल इलाज की जरूरत थी। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि घायल लोगों को किसी एम्बुलेंस में नहीं, बल्कि एक खुले वाहन के डाले में लिटाकर अस्पताल ले जाया जा रहा है।

बीईओ ने ली परामर्शदात्री समिति की बैठक

जशपुरनगर। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कल्पना टोप्पो एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वय अजय चौबे द्वारा नवीन शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं अनुशासित बनाने के उद्देश्य से परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं कर्मचारी हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालयों में समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यालय में विलंब से आने वाले शिक्षकों तथा शराब सेवन कर विद्यालय पहुंचने वाले शिक्षकों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई किए जाने की बात कही जिसका शिक्षक संगठन से जुड़े पदाधिकारी ने भी इस बात का समर्थन करते हुए कहा कि शराबी शिक्षकों के कारण अन्य शिक्षक भी शर्मिंदा होते हैं इसलिए उन पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाए। परामर्शदात्री समिति की ओर से फेडरेशन के जिला महासचिव रवि गुप्ता ने शिक्षकों के जीपीएफ अभिलेखों एवं सेवा पुस्तिका की द्वितीय प्रति का समुचित संधारण सुनिश्चित किए जाने की मांग रखी गई। इसके अतिरिक्त जिला विधिक सलाहकार एलन साहू ने जनगणना कार्य में संलग्न शिक्षकों को नियमानुसार 10 दिवस का अर्जित अवकाश (ईएल) प्रदान कर उसका सेवा पुस्तिका में संधारण किए जाने का विषय प्रमुखता से उठाया।

बिलाईगढ़ तहसील श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष बने गोपाल

बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ अध्यक्ष अरविंद अवस्थी के दिशा निर्देश पर जिला श्रमजीवी पत्रकार संघ की बैठक सारंगढ़ में शांति माहौल में संपन्न हुआ। बैठक में जिले के सभी तहसीलों से काफी संख्या में पत्रकारों की उपस्थिति रही। बैठक में छत्तीसगढ़ पत्रकार संघ उपाध्यक्ष अब्बास अली सैफी ने संगठन की मजबूती के लिए जिले के सभी तहसीलों मे श्रमजीवी पत्रकार संघ अध्यक्ष सर्व सहमति से निर्वाचित कराये वहीं जिला अध्यक्ष के लिए यथावत रखते हुए पुनः गोल्डी नायक को सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। जिला अध्यक्ष गोल्ड़ी नायक ने संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती के लिए सभी पत्रकारों को एकजुट होकर कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि निर्भिक व निष्पक्ष रहकर शासन प्रशासन की जानकारी जनता के बीच हमें रखना होता है।

कलमी में खेल क्रांति की शुरुआत, मिनी स्टेडियम की सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ पुसौर

ग्राम पंचायत कलमी के लिए 05 मई 2025 का दिन ऐतिहासिक बन गया। वर्षों से जिस मिनी स्टेडियम का सपना क्षेत्र के युवा देख रहे थे, उसका विधि विधान और पूजा-अर्चना के साथ भूमिपूजन किया गया।

ग्राम के विकास और खेल के क्षेत्र में ये एक नई पहल मानी जा रही है। कलमी पंचायत में बनने वाला ये मिनी स्टेडियम क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं के लिए वरदान साबित होगा। अभी तक कलमी और आसपास के गांवों के खिलाड़ियों को प्रैक्टिस के लिए पुसौर या रायगढ़ जाना पड़ता था। स्टेडियम बनने के बाद दौड़, कबड्डी, वॉलीबॉल, क्रिकेट जैसी खेलों के लिए गांव में ही बेहतर सुविधा मिलेगी। इससे ग्रामीण प्रतिभाओं को तराशने का मौका मिलेगा और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से भी युवा दूर रहेंगे।

भूमिपूजन कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य ब्रजेश गुप्ता, पुसौर मंडल अध्यक्ष जैमिनी गुप्ता, नगर पंचायत पुसौर के उपाध्यक्ष उमेश साव मुख्य

अतिथि के रूप में मौजूद रहे। ग्राम पंचायत कलमी के सरपंच शिव गुप्ता की अगुवाई में कार्यक्रम हुआ। साथ ही ओड़ेकेरा सरपंच प्रतिनिधि हीराधर साहू, तुरंगा सरपंच प्रतिनिधि विभूति प्रधान, नवापाली सरपंच प्रमोद बारीक, पड़ीगांव सरपंच प्रतिनिधि अनुपम सेठ सहित आसपास की पंचायतों के जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। कलमी का मिनी स्टेडियम यहां के युवाओं को राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का सपना पूरा करेगा। सरपंच शिव गुप्ता ने ग्रामवासियों को बधाई देते हुए कहा कि ये स्टेडियम सिर्फ ईंट सीमेंट की इमारत नहीं बल्कि कलमी के भविष्य की नींव है। यह स्टेडियम ग्राम के विकास की दिशा में एक और कदम और खेल के क्षेत्र में नई पहल है। वाकई प्रदेष के वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने दिखा दिया कि विकास सिर्फ सड़क बिजली तक सीमित नहीं है। खेल शिक्षा और संस्कार भी विकास का हिस्सा हैं। अब ग्रामवासियों और जनप्रतिनिधियों को उम्मीद है कि निर्माण कार्य तेजी से पूरा होगा और जल्द ही कलमी का मिनी स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए खुल जाएगा।

स्कूल शिक्षा विभाग के पेंशन, सर्विस बुक,अवकाश स्वीकृत जैसे कार्यों में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं

क्लास में मोबाइल बैन, पढ़ाते समय कोई भी करेगा उपयोग तो होगी कार्रवाई

कलेक्टर ने की स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगढ़

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारी, सभी प्राचार्यो की उपस्थिति में स्कूल शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मध्यान्ह भोजन में दाल भात सब्जी आदि क़ो स्वादिष्ट, सफाई और सुरक्षा के साथ बनाने के निर्देश देने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्कूल प्रारम्भ के पूर्व मरम्मत, पोताई आदि कार्य क़ो पूर्ण करने के निर्देश दिए। मरम्मत योग्य शौचालय क़ो सरपंच या सीईओ पंचायत के माध्यम से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा किए जिले में कोई भी स्कूल शौचालय विहीन नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने बैठक में सभी प्राचार्यो क़ो कहा कि विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी दसवीं बारहवीं बोर्ड में अच्छा परिणाम के लिए सभी आगे भी अच्छा मेहनत करें। उन्होंने अनुशासन का पालन क़ो जोर देते हुए कहा किए पढ़ाते समय कोई भी शिक्षक कक्षा में मोबाईल का उपयोग नहीं करेंगे। कलेक्टर ने कहा किए पेंशन, सर्विस बुक अपडेट करने, अवकाश स्वीकृत, ईकेवायसी, जैसे विभागीय कार्यों में किसी प्रकार की भ्रष्टाचार की गतिविधि किसी अधिकारी कर्मचारी के द्वारा किया जाएगा, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने 10 से कम बच्चों वाले स्कूलों के गांव में घर घर जाकर सर्वे किया जाएगा और पालक से बच्चों क़ो सरकारी स्कूल में बच्चों क़ो नहीं भेजने के कारण की जानकारी लेकर मांग, शिकायत आदि का निराकरण करते हुए प्रशासनिक कार्यवाही की जाएगी।

पीएम आवास और शौचालय निर्माण की गुणवत्ता में कमी, रिश्वत की मांग पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का समीक्षा किया गया। कलेक्टर ने पीएम आवास ग्रामीण के प्रारम्भ हुए कार्यों क़ो बरसात के पहले तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए। वहीं विवादित प्रकरण में पटवारी और राजस्व अधिकारी के माध्यम से विवाद का निराकरण करने के निर्देश दिए। पीएम आवास और शौचालय निर्माण की गुणवत्ता में कमी, पंचायत अधिकारी, रोजगार सहायक या अन्य के द्वारा पीएम आवास स्वीकृत, राशि जारी करने जैसे कार्यों के लिए रिश्वत की मांग करने वाले अधिकारी कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही की चेतावनी दी। वहीं मनरेगा के कार्यों से लोगों को रोजगार ज्यादा मात्रा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं और बिहान आदि में बैंक द्वारा लोन स्वीकृति क़ो प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने वन, उद्यानिकी विभाग और मनरेगा से पेड़ पौधों से विहीन पठार जैसे विरान क्षेत्र में सीड बॉल से पौधरोपण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले की महिलाओं को महिला किसान सशक्तिकरण योजना से मुर्गी, बकरी पालन, सब्जी उत्पादन, आर्गेनिक खेती आदि से लाभ देकर उन्हें उन्नति दिलाने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत कलेक्टर ने जिले में शौचालय, सामूहिक शौचालय का निर्माण को स्कूल, कॉलेज परिसर जैसे उचित स्थान पर करने के निर्देश दिए। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रो से निकले वाले मलीय कीचड़ का प्रबंधन के लिए जिले में फिकल स्लज मैनेजमेंट यूनिट की स्थापना की गई है, जिसमें डी स्लज वाहन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रो से न्यूनतम दर पर सेप्टीक टैंक खाली कराने का कार्य किया जाता है।

■ कलेक्टर ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की

सरसीवा क्षेत्र में उर्वरक निरीक्षक ने की खाद दुकानों की जांच

सारंगढ़। जिले के किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद, बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने हेतु उर्वरक निरीक्षको के द्वारा नियमित औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में बीते रविवार को उर्वरक निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता के द्वारा जिले के सरसीवा क्षेत्र के विक्रय केंद्रों मेसर्स महामाया ट्रेडर्स, मेसर्स ऋषि ट्रेडर्स, मेसर्स प्रकाश ट्रेडर्स का निरीक्षण किया गया।

अनियमितता पाए जाने पर मेसर्स प्रकाश ट्रेडर्स पेंड्रावन को नोटिस जारी किया गया है। वहीं जिले में अब तक 57 निजी एवं सहकारी केंद्रों का निरीक्षण किया जा चुका है। अनियमितता पाए जाने पर 27 केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। 8 विक्रय केंद्रों का अनुज्ञप्ति निलम्बित किया गया है तथा एक प्रकरण कालाबाजारी का कलेक्टर कोर्ट के अधीन है। जिले में निरंतर निरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। किसी भी प्रकार कि अनियमितता पाए जाने पर एफसीओ कानून 1985 के तहत कार्यवाही किया जाएगा।

खाद भंडारण एवं वितरण

वर्तमान में खरीफ की तैयारी जोरो पर है जिले में रासायनिक खाद 16805.360 मैट्रिक टन एवं बीज 15801 क्विंटल उपलब्ध है किसानों के मांग अनुरूप पर्याप्त मात्रा में भंडारण किया गया है। जिले में कुल 25390 मैट्रिक टन रासायनिक खाद भंडारण उपरांत 8554 मैट्रिक टन वितरण किया गया है तथा 5053 क्विंटल बीज वितरण किया गया है। जिले में यूरिया सहकारी क्षेत्र में अब तक 12295 मैट्रिक टन डीएपी 1608 मैट्रिक टन, एनपीके 1489 मैट्रिक टन, एमओपी 996 मैट्रिक टन तथा 1266 मैट्रिक टन खाद उपलब्ध कराया गया है जो कि खरीफ वर्ष 2025 में वितरण किये गये खाद का 66 प्रतिशत प्रतिशत है।

10 वर्षीय मोक्ष ने राज्य स्तरीय अबेकस प्रतियोगिता में लगातार दूसरी बार जीता चैंपियन का खिताब

हरिभूमि न्यूज ⏭ छाल

रायगढ़ के अग्रोहा धाम में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय अबेकस एवं मेंटल गणितीय प्रतियोगिता 2026 में मोक्ष ने लगातार दूसरी बार चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम कर पूरे जिले का मान बढ़ाया है।

इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से आए सैकड़ों मेधावी छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था। कड़े मुकाबले के बीच, कक्षा चौथी के छात्र मोक्ष दुबे ने विजुअल कॉम्पिटिशन लेवल 4 जूनियर ग्रुप में असाधारण प्रदर्शन करते हुए सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। सत्र 2025 में भी रह चुके हैं राज्य स्तरीय चैंपियन। इस प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में बच्चों की मानसिक गणना क्षमता, एकाग्रता, स्मरण शक्ति और त्वरित निर्णय क्षमता का कड़ा परीक्षण किया गया। विजुअल प्रतियोगिता के तहत बच्चों को मन में ही अबेकस की कल्पना कर बेहद कम समय में जटिल गणितीय सवालों के जवाब देने होते हैं। मोक्ष ने अपनी अद्भुत गति, सटीकता और आत्मविश्वास से निर्णायकों को बेहद प्रभावित किया और सबसे तेज़ व सटीक उत्तर देकर चैंपियन बने। मोक्षए छाल निवासी प्रमोद कुमार दुबे के सुपुत्र हैं। मोक्ष की इस अभूतपूर्व सफलता पर क्षेत्रीय विधायक लालजीत राठिया ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विधायक ने कहा कि मात्र 10 वर्ष की आयु में लगातार दूसरी बार राज्य स्तर पर चैंपियन बनना मोक्ष की कड़ी मेहनत, अद्भुत प्रतिभा और अभिभावकों के कुशल मार्गदर्शन का जीवंत उदाहरण है।

■ 10 मिनट में 200 जटिल प्रश्नों को हल कर सबको चौंकाया

जशपुर में रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 14 को

जशपुरनगर। जिले में शतरंज खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जशपुर चेस क्लब द्वारा 14 जून (रविवार) को एक दिवसीय रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का आयोजन विजय भूषण सिंहदेव पीजी गर्ल्स कॉलेज, जशपुर में किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के लिए 25 मिनट प्रति खिलाड़ी का समय नियंत्रण निर्धारित किया गया है, जबकि राउंड्स की संख्या प्रतिभागियों की संख्या के आधार पर तय की जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की रिपोर्टिंग सुबह 9 बजे से होगी।

इलेक्ट्रिक आरी की भेंट चढ़ रहे हरे-भरे पेड़ बरसों से खड़े पेड़ को मिनटों में बना रहे ठूंठ

पत्थलगांव। क्षेत्र में सड़क किनारे बरसों से खड़े पड़ों को मिनटों में ठूंठ बनाने का काम बदस्तूर जारी है। इन पेड़ों पर लकड़ी माफिया की नजर लगी हुई है। इलेक्ट्रिक आरी के सहारे पेड़ों को धड़ल्ले से काटा जा रहा है और गाड़ियों में भरकर ले जाया जा रहा है। ऐसा ही दृष्य जशपुर रोड स्थित पूरन तालाब के पास देखा जा सकता है। लकड़ी माफिया द्वारा सड़क किनारे स्थित पेड़ों को इलेक्ट्रिक आरी के सहारे आसानी से काटा जा रहा है। आज कल बड़े से बड़े पेड़ों को कुछ मिनटों में ही इन आरियो से काट दिया जा रहा है। पेड़ों को बचाने के लिए प्रशासन व सामाजिक संस्थाएं जागरूकता अभियान चला रही हैं पर हकीकत में सड़क किनारे लगे बड़े से बड़े या छोटे पेड़ आज बिना किसी कारण से अनावश्यक निजी कारणों से काटे जा रहे हैं। घर में चूल्हा जलाने या गांव गांव में लगाए जा रहे इट के भट्टों के लिए इन पेड़ों की बलि दी जा रही है। सड़क किनारे स्थित पेड़ों पर लकड़ी माफिया की नजर रहती है क्योंकि कभी कोई भी इन पेड़ों को काटते देखने पर भी उन्हें मना नहीं करता। बाद में ट्रैक्टरों में लकड़यिों को भर कर ले जाया जाता है। ताजा मामला जशपुर रोड पूरन तालाब के पास सड़क किनारे का है। जहां लगे पेड़ों को इलेक्ट्रिक आरी से काट कर गिरा दिया गया है। फारेस्ट या राजस्व विभाग को जानकारी देने के बाद भी सड़क किनारे लगे पेड़ों को काटे जाने पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जाती। सड़क किनारे लगे पेड़ों के भले ही बड़े नाम न हो पर गर्मियों में राहगीरों को छांव और पर्यावरण के लिए एक सहारा जरूर बनते हैं। पेड़ो को बचाने हर आम आदमी को आगे आना होगा। इलेक्ट्रिक आरी पर रोक या सड़क किनारे लगे पेड़ों को काटे जाने पर कड़ाई से कार्रवाई करनी होगी।

उरांव समाज विकास समिति की आमसभा सामाजिक एकता, संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

200 से अधिक सदस्यों की सहभागिता, आगामी महासभा एवं सामुदायिक भवन निर्माण को लेकर लिए गए अहम निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

उरांव समाज विकास समिति छत्तीसगढ़ एवं हिमगीर क्षेत्र उड़ीसा की आमसभा की बैठक 7 जून को उरांव कुड़ुख समाज सामुदायिक भवन, रामभांठा संजय मैदान रायगढ़ में समिति के अध्यक्ष पंत राम भगत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समाज के संगठनात्मक विकास, सदस्यता विस्तार, सामुदायिक भवन निर्माण एवं आगामी महासभा आयोजन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के ईष्ट देव शंकर पार्वती की छायाप्रति पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात आमसभा की कार्यवाही प्रारंभ हुई, जिसमें समिति के वरिष्ठ सदस्यों ने सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता के दौरान होने वाले व्यवहार, संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान को गति देने, कार्यालय के पते में परिवर्तन तथा समाज के विकास संबंधी विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने पर बल देते हुए सामाजिक एकता, परस्पर सहयोग तथा युवा पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। साथ ही आगामी महासभा के सफल आयोजन एवं समाजहित के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक रणनीति पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष मयाराम उरांव, प्रेमसागर ओराम, महासचिव दिनेश उरांव, सचिव दिलीप भगत, कोषाध्यक्ष मुखीराम उरांव, सह कोषाध्यक्ष किरीतराम उरांव, कार्यकारिणी सदस्य दुर्जन ओराम, पुरुषोत्तम ओराम, राधेलाल लकड़ा, प्रमुख सलाहकार लच्छीराम उरांव, नत्थूराम भगत, डॉ. हबेल सिंह उरांव सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए समाज के क्षेत्रीय अध्यक्ष, सरपंच, प्रबुद्धजन एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभा में उरांव समाज सेवा समिति के पदाधिकारी बालकिशोर भगत, बालकृष्ण निकुंज, आनंद भगत, विनोद भगत सहित बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, बुद्धिजीवी वर्ग, युवा एवं माता बहनों ने भाग लिया।

शिक्षा व करियर मार्गदर्शन का मिला अमूल्य संदेश

प्रतिभाओं के सम्मान से गौरवान्वित हुआ चौहान समाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटेली

बरमकेला में चौहान समाज ब्लॉक द्वारा प्रतिभावान छात्र छात्राओं के सम्मान समारोह एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरायपाली विधायक चातुरी नंद एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व कलेक्टर कुमारलाल चौहान, डीएमसी नरेश चौहान, बरमकेला जनपद अध्यक्ष विद्या किशोर चौहान तथा ब्लॉक अध्यक्ष विषिकेशन चौहान की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन राजेंद्र चौहान एवं गोपाल बाघे ने किया।

इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्य अतिथि विधायक चातुरी नंद ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में शिक्षा को और अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ब्लॉक स्तर पर लगभग 25 मेधावी विद्यार्थी हैं, जिनकी संख्या भविष्य में सैकड़ों तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें आगे की शिक्षा के लिए प्रेरित किया। वहीं सारंगढ़ के डीएमसी नरेश चौहान ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मेमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संकीर्तन नन्द, देवराज दीपक एसुभाष चौहान, चमरा चौहान, कमल चौहान ने जोर लगाया। इस अवसर पर डॉ गोविंद चौहान, डॉ. किशोर चौहान, पुनीत राम चौहान, विजय कांटे, गनेशी चौहान, उजागर नन्द, ओमप्रकाश चौहान, सुदर्शन चौहान, केदार चौहान, मुक्तेश्वर चौहान, संजय चौहान, महगुलाल चौहान, ठाकुर राम चौहान, सुधीर चौहान, गोवर्धन चौहान, रामेश्वर चौहान, धनीराम चौहान, गजेंद्र चौहान, लक्ष्मण चौहान, गंगाराम चौहान के अलावा सैकड़ो सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में पहली बार हुआ टोटल एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टॉमी का सफल ऑपरेशन

कटेली। जिला चिकित्सालय सारंगढ़ ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में आज एक नया इतिहास रचा है। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के कुशल मार्गदर्शन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ डॉ. पुष्पेंद्र वैष्णव एवं सिविल सर्जन डॉ. दीपक जायसवाल के कुशल नेतृत्व में अस्पताल में पहली बार 'टोटल एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टॉमी का जटिल ऑपरेशन पूरी तरह से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। अस्पताल में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की सेवाएं उपलब्ध होने के बाद अब सभी प्रकार के जटिल और बड़े ऑपरेशनों की शुरुआत की जा रही है, जिससे स्थानीय मरीजों को अब बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। यह महिलाओं से जुड़ी एक प्रमुख और जटिल सर्जिकल प्रक्रिया है। इसमें पेट के निचले हिस्से में एक छोटा चीरा लगाकर गर्भाशय और गर्भाशय ग्रीवा को पूरी तरह से सुरक्षित बाहर निकाला जाता है। आमतौर पर यह ऑपरेशन गर्भाशय में गांठ, अत्यधिक या असहनीय ब्लीडिंग, क्रोनिक पेल्विक पेन या कैंसर जैसी गंभीर समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता है। जिला स्तर पर इस तरह के ऑपरेशन का होना स्वास्थ्य सुविधाओं में एक बड़ी क्रांति है।

वेलकम टू द जंगल ने रिलीज से पहले ही कमाए 120 करोड़

मुंबई। अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' ने ओटीटी, सैटेलाइट, ऑडियो और दूसरे राइट्स बेचकर करीब 120 करोड़ कमा लिए हैं। यानी फिल्म ने रिलीज से पहले ही अपनी लागत का बड़ा हिस्सा निकाल लिया है, जिससे मेकर्स को काफी राहत मिली है। एक ट्रेड सोर्स के अनुसार, 'फिलहाल मेकर्स ने करीब 120 करोड़ का डील फाइनल कर लिया है। अब उन्हें थिएटर से उतनी ज्यादा कमाई की जरूरत नहीं होगी। 'वेलकम' एक बड़ा और पॉपुलर फ्रेंचाइजी है। इसके पहले दो पार्ट 'वेलकम' (2007) और 'वेलकम बैक' (2015) लोगों को खूब पसंद आए थे।

लाइफ Style

हिना
हम सभी करते हैं गलतियां

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अब हिना खान ने आलोचकों को जवाब दिया है। हिना खान ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों के लिए नोट साझा किया है। ट्रोलिंग के बीच एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स के लिए एक संदेश साझा किया, इसमें उन्होंने नफरत की जगह दयालुता को चुनने की अपील की। हिना ने लिखा, 'हम सभी गलतियां करते हैं और समय के साथ हम सभी बदलते हैं। मैंने यहां-वहां कुछ ट्वीट पढ़े, मैंने हमेशा नफरत के बजाय दयालुता, प्यार और ह्युमिनिटी को चुना है। अगर आप मेरे फैन हैं, तो मैं आपसे भी इसी दृढ़ता और स्पष्टता के साथ व्यवहार करने की अपील करती हूं।' अभिनेत्री ने अपने फॉलोअर्स को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि दूसरों के प्रति नफरत और कठोर व्यवहार किए बिना हमें अपनी बात मनवाने के लिए इतना नीचा नहीं गिरना चाहिए। हम अमानवीय या नफरत भरे हुए बिना भी ऐसा कर सकते हैं। हम हमेशा शालीनता से अपनी बात रख सकते हैं और फिर भी प्रभावी हो सकते हैं। करुणा और प्रेम हमारी ताकत होनी चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते और उन लोगों की तरह व्यवहार करते हैं जो बेकार में नफरत फैलाते हैं और ट्रोल करते हैं, तो मैं आपको ब्लॉक कर दूंगी, चाहे आप मेरे फैन ही क्यों न हों।

'भाबीजी घर पर हैं' के निर्माता पर यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप के खुलासे के बाद शिल्पा शिंदा सुर्खियों में हैं। वहीं, शिल्पा शिंदे पर जुबानी हमला करने के बाद हिना खान भी लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हिना ने शिल्पा शिंदे की आलोचना की थी। इसके बाद हिना को लोगों ने निशाने पर लिया था।

हॉलीवुड मसाला

मेहमानों को दिया सनस्क्रीन

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सिंगर निक जोनस हमेशा अपनी बीवी प्रियंका चोपड़ा की तारीफ में लगे रहते हैं, चाहे वो पॉप स्टार हों, एक्टर हों या निर्माता, लेकिन उनके फैंस अक्सर उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी एक्साइटेड रहते हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने प्रियंका के 40वें जन्मदिन के जश्न में किए गए अपने एक नेक काम के बारे में भी बताया। निक ने बताया कि उन्होंने जश्न में आए सभी मेहमानों को सनस्क्रीन गिफ्ट में दी थी, ताकि वे गर्मी से सुरक्षित रहें। निक ने प्रियंका को लेकर कहा, 'वह बहुत प्यारी हैं।

हैरी पॉटर के किरदार में ढले बॉलीवुड सितारे

लॉस एंजिल्स। 'हैरी पॉटर' सीरीज साल 2001 से 2011 के बीच रिलीज हुई सिनेमा इतिहास की सबसे अधिक कमाई करने वाली फ्रेंचाइजी में से एक है। जरा सोचिए, अगर यही सीरीज बॉलीवुड में बनी होती तो कौन से एक्टर किस रोल में फिट होते। दिमाग के इसी फितूर को रियल में तैयार किया है एआई ने और दिखाया है कि 'हैरी पॉटर' बॉलीवुड कलाकारों के साथ बनती तो सब कैसे दिखते। अब 'हॉगवर्ट्स' के उस इमैजिनेशन की झलक देखते हैं जहां हमारे बॉलीवुड के सितारे 'हैरी पॉटर' सीरीज के किरदार में कैमरे के सामने पोज़ देते नजर आ रहे हैं। इनमें से कुछ तो इतने मिलते-जुलते दिख रहे हैं कि दर्शक हैरान हो रहे। एआई जेनरेटेड इस वीडियो में कार्तिक आर्यन से लेकर वरुण धवन, कृति सेनन, सैफ अली खान जैसे तमाम कलाकार नजर आ रहे हैं।

हीरोइन को ऑब्जेक्ट दिखाने पर भड़कीं

नई दिल्ली। पेद्दी आई और जाह्नवी कपूर के बोल्ड सीन्स पर विवाद छिड़ गया। पहले सोशल मीडिया पर महिलाओं को ऑब्जेक्टिफाई करने का मुद्दा गरमाया, अब सेलिब्रिटीज भी इस मुद्दे पर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक... फिल्मी सितारे हीरोइनों को ऑब्जेक्ट की तरह दिखाने के लिए पेद्दी के मेकर्स पर नाराज हुए। अब जया बच्चन और करीना कपूर खान ने हीरोइनों को ऑब्जेक्टिफाई करने पर अपना रिएक्शन दिया और बताया कि एक बार उनके साथ भी ऐसा हुआ था। जया ने अपने दिन याद किए, जब उन्हें फिल्म में ज्यादा बोल्ड दिखाने की कोशिश की जा रही थी। एक्ट्रेस ने एक बातचीत में कहा- किसी ने भी मेरे साथ हद पार करने की हिम्मत नहीं की। मेरे साथ सिर्फ एक बार ऐसा बुरा अनुभव हुआ था जब एक डायरेक्टर ने मुझे एक 'ऑब्जेक्ट' की तरह देखा था।

हमारे परिवार की परंपरा है लॉयल रहना

मुंबई। एक्टर माधवन ने हाल ही में अपनी पत्नी सरिता के साथ शादी की 27वीं सालगिरह मनाई है। उन्होंने एक बार बताया था कि उनके लिए शादी में लॉयल रहना कभी मुश्किल क्यों नहीं रहा। उन्होंने कहा कि कई खूबसूरत एक्ट्रेसेस के साथ काम करने के बावजूद, उन्हें हमेशा पता रहा कि उनके लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है। माधवन ने पत्नी सरिता के प्रति वफादारी पर बात करते हुए कहा कि उनके लिए लॉयल रहना बिल्कुल नेचुरल है और यह उनके परिवार की आदत भी है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है लॉयल रहना हमारे परिवार की परंपरा है। मेरे परिवार के लोग जिंदगी के आखिर तक जमशेदजी टाटा के प्रति भी उतने ही लॉयल रहे कि हमारे घर में भगवानों के साथ उनकी फोटो भी माला के साथ लगी रहती थी। इसलिए, सच कहूं तो मुझे लॉयल न रहने के लिए अलग से कोशिश करनी पड़ेगी।'

टीवी मसाला

जेनिफर तलाक के 11 साल बाद बनेंगी दुल्हन, विलियम ने चुराया दिल

नई दिल्ली। जेनिफर विंगेट अपने तलाक के करीब 11 साल बाद एक बार फिर से शादी को लेकर चर्चा में हैं। अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखने वालीं जेनिफर की शादी को लेकर पिछले कुछ समय से काफी अटकलें लग रही थीं। अब उनके करीबी सूत्रों के मुताबिक, एक्ट्रेस अपनी लाइफ का अगला जरूरी कदम उठाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बताया गया है कि जेनिफर विलियम इस्माइल के साथ शादी रचाने जा रही हैं। इस्माइल विलियम सिंगापुर स्थित बिजनेसमैन हैं, जिनके साथ जेनिफर पिछले कुछ समय से डेट कर रही हैं। कहा जा रहा है कि छुट्टियों के दौरान विलियम ने जेनिफर को शादी का ऑफर दिया और जवाब में उन्होंने हां कर दी है। अब दोनों इस वक्त शादी को लेकर प्लानिंग में जुटे हैं। खबरों के मुताबिक, जेनिफर ने वेंडर्स से लेकर शादी से जुड़ी अन्य तैयारियां शुरू कर दी हैं। सूत्रों के मुताबिक, दोनों की ये शादी क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से होनी है और सितंबर-अक्टूबर या फिर दिसंबर से लेकर अगले साल जनवरी के बीच कभी भी हो सकती है। बताया जा रहा है कि फिलहाल वो शादी के लिए सही डेस्टिनेशन की तलाश कर रही हैं। खबर ये भी है कि उन दोनों के करीबी दोस्त रहे हरलीन सेठी और जेनेलिया देशमुख जैसे उनके करीबी दोस्तों को उनकी शादी की प्लानिंग का पता है।

'उनकी सोच 60 साल पुरानी'

नई दिल्ली। दिग्गज एक्टर ललित परिमू ने महिलाओं द्वारा यौन इच्छा बताने वाले मुकेश खन्ना के कमेंट का मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि

हालांकि हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन समाज विकसित हो चुका है और आज महिलाएं अपनी पसंद और जरूरतों के बारे में कहीं अधिक खुलकर बोलती हैं। सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में परिमू से मुकेश खन्ना के उस बयान के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने कहा था, 'कोई भी लड़की अगर किसी लड़के से कहे 'मैं तुम्हारे साथ इंटिमेट होना चाहती हूं, तो वो लड़की नहीं है, वो धंधा करती है।' कमेंट का जवाब देते हुए ललित परिमू ने कहा- इस मामले में मुकेश जी पिछली पीढ़ी के हैं। वो शायद अभी भी 50 या 60 साल पहले वाली भारतीय महिला, भारतीय मिडिल क्लास की पढ़ी-लिखी महिला को देख रहे हैं।' आज तो 10 लड़कियों में से शायद ऐसा कह सकती हैं। कल्चर इतना बदल गया है कि ऐसी कह सकती हैं। औरत के अंदर आज के समय में, खासकर पढ़ी-लिखी, पैसा कमाने वाली और इंटिमेसी में डिमांड करने वाली लड़कियों की कीमत बढ़ गई है।'

राख से करुप्पु तक, इस वीक ओटीटी पर होगा भरपूर मनोरंजन, रिलीज होंगी ये फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। नया वीक शुरू हो गया है। सिनेमाघरों में इस वीक खूब बहार रहेगी। मैं वापस आऊंगा, मां इंटी बंगाराम और भारत भाग्य विधाता सहित कई चर्चित फिल्में थिएटर्स में सजने वाली हैं। मगर, ओटीटी पर भी एंटरटेनमेंट का जबरदस्त डोज मिलेगा।

***राख** : इस वीक अली फजल की वेब सीरीज 'राख' दस्तक देगी। इसमें सोनाली बेंद्रे भी अहम भूमिका में हैं। इस वेब सीरीज का निर्देशन प्रोसित रॉय ने किया है। वो इससे पहले 'पाताललोक' सीरीज का निर्देशन भी कर चुके हैं। यह क्राइम इन्वेस्टिगेशन सीरीज 12 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी।*

***मां है ना** : यह शिल्पा शेट्टी का कुकिंग रियलिटी शो है। इस शो में जेन-जी सेलेब्स अपनी मां के साथ हिस्सा लेंगे। 10 एपिसोड की यह नॉन-फिक्शन सीरीज छह जेन जेड सेलेब्रिटीज और उनकी मांओं को एक साथ लाएगी। 'मां है ना' 12 जून 2026 से जी5 पर रिलीज होगा।*

***एवरी ईयर आफ्टर** : अगर आपको*

रोमांटिक ड्रामा सीरीज देखने का मन है, तो इस वीक 'एवरी ईयर आफ्टर' देख सकते हैं। यह प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। दर्शक इसे 10 जून, 2026 से देख सकते हैं। यह आठ एपिसोड की सीरीज है। यह सीरीज 'एवरी समर आफ्टर' नॉवेल पर आधारित है। कहानी बचपन के दो दोस्तों के बारे में है, जो एक उलझी हुई स्थिति में फंस जाते हैं और प्यार व सोलमेट के कॉन्सेप्ट पर सवाल उठाने लगते हैं।

***दृश्यम** : इस वीक की ओटीटी लिस्ट में 'दृश्यम' भी शामिल है। मलयालम भाषा की यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर दस्तक देने को तैयार है। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो एक पुलिस वाले की कहानी पर आधारित है। इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर 12 जून से देखा जा सकता है।*

***तारकटा** : बंगाली सीरीज 'तारकटा' भी आप देख सकते हैं। यह एक्शन-थ्रिलर वेब सीरीज है, जो 12 जून, 2026 से जी5 पर रिलीज होगी। इसमें विक्रम चटर्जी, प्रियंका सरकार और मियांग चांग अहम भूमिकाओं में हैं।*

***करुप्पु** : सूर्या और तृषा कृष्णन की फिल्म 'करुप्पु' भी सिनेमाघरो के बाद अब ओटीटी पर रिलीज को तैयार है। यह एक्शन ड्रामा फिल्म 12 जून से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। आरजे बालाजी निर्देशित इस फिल्म को सिनेमाघरों में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।*

मैं वापस आऊंगा टीम ने अटारी बॉर्डर पर रचा इतिहास
रहमान ने गाया 'मां तुझे सलाम'

नई दिल्ली। फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की टीम ने अटारी बॉर्डर (पंजाब) पर देश के वीर जवानों को एक बेहद खूबसूरत और भावुक श्रद्धांजलि दी। ऑस्कर विजेता संगीतकार ए आर रहमान ने पहली बार अटारी बॉर्डर पर लाइव परफॉर्मेंस दी है। जिसे देखने के लिए स्टेडियम में हजारों लोग मौजूद थे। ए.आर. रहमान ने 'चंदा सूरज लाखों तारे' गाने से शुरुआत की। इसके बाद मोहित चौहान, वेदांग रैना, नीलांजना घोष और पूजा तिवारी जैसे कलाकारों ने फिल्म के नए गानों पर शानदार परफॉर्मेंस दी। कार्यक्रम का समापन रहमान के मशहूर देशभक्ति गीत 'मां तुझे सलाम' के साथ हुआ, जिससे पूरा स्टेडियम जोश और तालियों से गूंज उठा। यह खास कार्यक्रम सीमा सुरक्षा बल के जवानों के सम्मान में आयोजित किया गया था, जिसका नाम था 'जय हो- ए म्यूजिकल सैल्यूट टू द ब्रेवहार्ट्स'। इस दौरान फिल्म के डायरेक्टर इम्तियाज अली, एक्टर वेदांग रैना और 'मैं वापस आऊंगा' के निर्माताओं ने जवानों का आभार मानकर कार्यक्रम की शुरुआत की। फिल्म के गानों को

देश के सैनिकों के साहस को समर्पित किया गया। मैं वापस आऊंगा को लेकर इम्तियाज अली ने कहा, 'यह फिल्म 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की कहानी पर आधारित है। यह हमें याद दिलाती है कि उस दौर में सिर्फ जमीन ही नहीं, बल्कि लोगों के दिल भी टूटे थे। हम इस फिल्म के जरिए प्यार और एकता का संदेश देना चाहते हैं।' फिल्म मैं वापस आऊंगा में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, शरवरी और वेदांग रैना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान का है और गाने इरशाद कामिल ने लिखे हैं। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राज कपूर का वो भाई, जिसे सिनेमा ने भुलाया!
फिल्मों का अमीर सेठ, हीरोइनों का खड़ूस बाप, आवाज से थरति थे हीरो

कौन थे पिंचू कपूर?

कपूर खानदान के जिस एक्टर की हम बात कर रहे हैं असल में वह पिंचू कपूर थे। वही पिंचू कपूर जो असल में राज कपूर के भाई थे। पिंचू कपूर पृथ्वीराज कपूर के भतीजे और शोमैन राज कपूर, शम्मी कपूर और शशि कपूर के कजिन भाई (चचेरे भाई) थे। इसके बावजूद उन्होंने इंडस्ट्री में कभी इस नाम का सहारा नहीं लिया और खुद को एक स्वतंत्र कलाकार के रूप में स्थापित किया। यही वजह है कि उन्होंने सिनेमा में कई फिल्में की, लेकिन यह बहुत कम लोगों को मालूम था कि वो असल में कपूर खानदान से ताल्लुक रखते हैं। पिंचू कपूर का जन्म 1927 में अविभाजित भारत के रावलपिंडी (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। बाद में उनका परिवार भारत के जयपुर में आकर बस गया। उनका असली नाम लाल पुष्पेंद्र कपूर था। हालांकि, लोग उन्हें पिंचू कपूर के नाम से जानते थे।

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में कपूर खानदान का रुतबा आज भी जारी है। ये रुतबा आज या कल से नहीं बल्कि कई दशकों से है। कपूर खानदान की जड़ें हिंदी सिनेमा में काफी पहले से है और यही वजह है कि कपूर खानदान के लोग आज भी सिनेमा में एक्टिंग कर रहे हैं। पृथ्वीराज कपूर से शुरू हुआ कारवां आज रणबीर कपूर और करीना कपूर तक आ पहुंचा है, लेकिन इसी कपूर खानदान में एक ऐसा भी स्टार आया जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। कौन है वो फिल्मों का अमीर सेठ और हीरोइन का खड़ूस बाप, जिसकी एक आवाज से थर्रा उठते थे सिनेमाघर, आज कहानी उन्हीं की...

असल जिंदगी में भी रहते थे ठसन से

इसके बाद वह साल 1978 में डॉन में दिखे। इस फिल्म में उन्होंने इंटरपोल ऑफिसर आर.के. मलिक की बेहद अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म का वो सीन आज भी याद किया जाता है, जिसमें नकली बने अमिताभ बच्चन उन्हें पहचानते हैं। इसके बाद वह अवतार, कर्ज, झूठा कहीं का, कामचोर, शराबी और हकीकत समेत कई फिल्मों में वह नजर आए। बड़ी बात यह है कि उन्हें ज्यादातर फिल्मों में अमीर सेठ के किरदार में देखा गया। जी हां, असल में जिंदगी में भी वह काफी ठसक में रहते थे। उनका परिवार रसूखदार था। वहीं, फिल्मों में भी उन्हें इसी तरह के किरदार मिलते थे।

अपनी अलग पहचान बनाई

कभी वो हीरोइन के खड़ूस बाप बनते थे, तो कभी अमीरी का रुतबा दिखाते हुए नजर आते थे। जज, वकील, पुलिस कमिश्नर, अमीर बिजनेसमैन या कड़क पिता के किरदारों ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। उस दौर में जहां विलेन बहुत लाउड हुआ करते थे, पिंचू कपूर ने बड़े ही शांत और स्टाइलिश विलेन के तौर पर खुद को पेश किया, जो धोखे से जाल बुनते थे। इस तरह से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई थी। 28 अप्रैल 1989 को महज 62 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

70- 80 के दशक में फिल्मों में छोड़ी गहरी छाप

हिंदी सिनेमा के इतिहास में जब भी रौबीले और कड़क किरदारों की बात होती है, तो पिंचू कपूर का नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। अपनी कड़क आवाज, सूट-बूट वाली शानदार पर्सनालिटी और सधे हुए अभिनय के दम पर उन्होंने 70 और 80 के दशक की फिल्मों में एक गहरी छाप छोड़ी। सिनेमा में आने से पहले वो थिएटर किया करते थे। थिएटर करने के बाद उन्हें लगा कि अब उन्हें सिनेमा में हाथ आजमाना चाहिए तो वो जयपुर से सीधा अपने भाइयों राज कपूर और शशि कपूर के पास आ गए। उन्होंने अपने कॅरियर की शुरुआत 60 के दशक में की थी। शुरुआत में वह यहूदी, हाउसहोल्डर और दो बूंद पानी जैसी फिल्मों में दिखे। हालांकि, असली ब्रेक उन्हें साल 1973 में आई बॉबी से मिला। भाई राज कपूर की इस फिल्म में वह राज शर्मा (ऋषि कपूर के दोस्त के पिता) के किरदार में दिखे।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय कला महोत्सव में महिमा ने मारी बाजी

छाल। उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित चार दिवसीय प्रतिष्ठित तरांगन अखिल भारतीय राष्ट्रीय नृत्य, संगीत एवं ललित कला प्रतियोगिता में जिले का नाम राष्ट्रीय पटल पर गूंज उठा है। क्षेत्र के ग्राम नवापारा छाल की नन्ही परी महिमा चन्द्रा 7 वर्ष ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से पूरे प्रदेश सहित स्थानीय अंचल में हर्ष का माहौल है। राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई कला की चमक दुर्ग छत्तीसगढ़ की संस्था कथक रॉकर्स द्वारा आयोजित और भारत सरकार के द्वारा प्रमाणित इस गरिमापूर्ण राष्ट्रीय महोत्सव में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने हिस्सा लिया था। इतने बड़े मंच पर कड़े मुकाबले के बीच नवापारा की नन्ही कलाकार महिमा चन्द्रा ने अपनी कला का ऐसा जादू बिखेरा कि निर्णायक मंडल भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सका। महिमा ने प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त कर न सिर्फ अपने माता पिता और क्षेत्र का नाम रोशन किया बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य को गौरवान्वित किया है। महिमा की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे उनके परिवार का अटूट सहयोग और गुरु की कड़ी मेहनत रही है।

आंखों से दिव्यांग सोनू ने छूकर महसूस किया घर

रायगढ़। सूर्या विहार में बिजली, पानी और सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त पक्का मकान मिलने के बाद जोगीडीपा से विस्थापित आंखों से दिव्यांग सोनू सारथी और उनके परिवार की खुशी देखते ही बन रही है। नए घर में पहुंचकर सोनू ने दीवारों, कमरों, गैलरी, किचन और वॉशरूम को हाथों से छूकर महसूस किया और भावुक होकर अपनी खुशी जाहिर की। सोनू सारथी ने बताया कि वह बिना ब्रेल लिपि के पढ़ाई करता है और छूकर रुपए के नोट पहचान लेता है। नए घर में प्रवेश के दौरान उसने घर के हर हिस्से को बारीकी से महसूस किया। सोनू ने कहा पहले कभी नहीं सोचा था कि ऐसा घर मिलेगा, जहां बिजली, पानी, किचन, अलग वॉशरूम और सभी सुविधाएं एक ही जगह होंगी। घर में ही पानी वॉशरूम की सुविधा से अब जिंदगी कुछ आसान लगे रही है। सोनू इससे पहले जोगीडीपा में अपनी मांए दो भाई और एक बहन के साथ तीन कमरे के कच्चे खपरा मकान में रहता था।

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्रों का सुधर रहा जीवन स्तर, नर्सरी से आगे की पढ़ाई हो रही फ्री

बिरहोर बच्चे बीच में छोड़ देते थे पढ़ाई, जेपीएल ने ली जिम्मेदारी, अब पढ़ते हैं अंग्रेजी माध्यम स्कूल में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

बिरहोर जनजाति के लोगों की आजीविका जंगल के उत्पादों पर निर्भर रहती थी। पालक जीविकोपार्जन के लिए जंगल चले जाते थे तो बच्चे पढ़ाई नहीं कर पाते थे। वे भी बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते थे, ऐसी स्थिति को देखते हुए जिंदल पावर तमनार द्वारा इनिशिएटिव लिया गया और बिरहोर जनजाति के बच्चों को नर्सरी से ही स्कूल में पढ़ाने का निर्णय लिया और सुखद स्थिति यह है कि अब यहां के बच्चे अंग्रेजी माध्यम स्कूल में ही पढ़ते हैं। इन बच्चों की पढ़ाई की सभी व्यवस्था जिंदल फाउंडेषन द्वारा की जाती है।

ग्राम पंचायत कचकोबा का सीतापारा मोहल्ला में राष्ट्रपति के दत्तकपुत्र बिरहोर जनजाति के लोग रहते हैं। इस मोहल्ले में 33 परिवार रहते हैं, इनकी आबादी 106 है। पहले यहां के लोग जंगल जाते थे, जंगल के तेंदू, चार, महुआ, चिरौंजी आदि इनके आजीविका का साधन हुआ करते थे। ये पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते थे। वर्श 2006 में जिंदल पावर तमनार द्वारा यहां के लोगों का जीवन स्तर सुधारने और इनको शिक्षित करने के लिए एक छोटी सी पहल की गई और बालवाड़ी की शुरूआत की गई। यहां प्रारंभिक शिक्षा मिलने के बाद बच्चों को आसपास के सरकारी स्कूलों में भर्ती किया जाता था। चूंकि उनके पालक आजीविका के लिए जंगल जाते थे, इसलिए बच्चों पर उनका नियंत्रण नहीं था और वे शिक्षा का महत्व नहीं जा पा रहे थे, इसलिए बच्चो बीच में ही प्राइमरी की पढ़ाई छोड़ देते थे। इनकी समस्या को देखते हुए जिंदल पावर तमनार द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस विशेष पिछड़ी जनजाति के बच्चों को प्रारंभ से ही अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा दी जाए ताकि वे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। इसके बाद उन बच्चों को नर्सरी से ही जिंदल के स्कूलों में भर्ती किया जाने लगा।

स्कूल में पढ़ाई करते बच्चे।

बच्चों की स्कूलिंग, परिवहन की व्यवस्था फ्री सीतापारा के बिरहोर जनजाति के लोगों के सर्वांगिण विकास को जिंदल पावर द्वारा अपने सीएसआर के दायित्वों में शामिल करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य व आजीविका के लिए विषेश प्रयास किया जा रहा है। बालवाड़ी सेंटर बनाया गया है, जहां खेल कूद की भी व्यवस्था की गई है वहां प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है, फिर नर्सरी में उन विद्यार्थियों को भर्ती किया जाता है। इस सेंटर को को आर्डिनेट करने वाले आनंद पंडा ने बताया कि बच्चों के जूता, मोजा, ब्लेजर, यूनिफार्म से लेकर सभी कापी, पेन, पुस्तक तक की व्यवस्था जिंदल फाउंडेषन द्वारा किया जाता है। इन विद्यार्थियों को ओपी जिंदल स्कूल कुंजेमुरा में फ्री में पढ़ाई कराई जाती है। इन विद्यार्थियों के आने जाने के लिए बस की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

केलो डैम से सिंचाई का सपना अधूरा, गति धीमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पुसौर

2004 में जब केलो डैम से नहर निकालकर रायगढ़ के किसान को बारहमासी सिंचाई देने का संकल्प लिया गया था तब उम्मीद जगी थी कि अब जिले की धरती पर सोना उगलेगी।

22 साल बीत गए पर वो उम्मीद आज भी अधूरी है। सरकारें बदलीं समस्या वहीं रही केलो नहर की कहानी वास्तव में छत्तीसगढ़ की राजनीति का आईना है। 2004 में परियोजना शुरू हुई। उसके बाद 15 साल तक बीजेपी की सरकार रही। फिर 5 साल कांग्रेस का कार्यकाल आया। और अभी पिछले ढाई साल से फिर बीजेपी की सरकार है। मतलब कुल 23 साल में तीन अलग-अलग सरकारों ने केलो नहर को अपनी प्राथमिकता बताया बजट दिया वादे किए। पर धरातल पर नहर आज भी पूरी नहीं हो पाई। नतीजा ये हुआ कि नहर का काम कभी तेज हुआ कभी धीमा। कभी टेंडर बदला, कभी प्राथमिकता बदली। इस बीच किसान वही का वही खड़ा रह गया। जिस किसान की जमीन 2004 में ली गई थी, वो आज भी रबी की फसल का सपना नहीं देख पाता। क्योंकि नहर से पानी उसके खेत तक नहीं पहुंचा। आंकड़े क्या कहते हैं केलो डैम बनकर तैयार हो गया, पानी भर गया। पर कमांड एरिया 25 हजार हेक्टेयर के मुकाबले अभी 4-5 हजार हेक्टेयर में ही सिंचाई हो पा रही है। माइनर और सब-माइनर नहरों का जाल बिछना बाकी है। कई जगह अतिक्रमण की वजह से काम रुका है।जल संसाधन विभाग के रिकॉर्ड में हर साल 80-90 प्रतिशत प्रगति दिखाई जाती है। पर जमीन पर जाकर देखें तो किसान को केलो का पानी नसीब नहीं हुआ।

शराब दुकान हटाने की मांग, विधायक के नेतृत्व में महिलाओं ने सौंपा ज्ञापन

कटेली। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के झिकीपाली शासकीय शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर महिलाओं में भारी आक्रोश देखने को मिला। इस मुद्दे को लेकर बड़ी संख्या में महिलाएं एकजुट होकर सारंगढ़ विधायक उतरी गनपत जांगड़े के नेतृत्व में कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं और ज्ञापन सौंपा।

महिलाओं का कहना है कि ग्राम गिन्डोला के मुख्य मार्ग में शराब दुकान संचालित किया जा रहा है। जिसके कारण गांव का माहौल लगातार बिगड़ रहा है। गांव के मुख्य मार्ग पर स्थित इस दुकान से महिलाओं छात्राओं और आम नागरिकों को डोंगरीपाली बाजार व स्कूल आने जाने में परेशानी होती है। जिसके कारण मजबूरन कई छात्रा स्कूल छोड़ चुके हैं। साथ ही शराब के सेवन के चलते आए दिन विवाद और असामाजिक गतिविधियां भी बढ़ रही हैं जिससे परिवार और समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। विधायक उत्तरी गनपत जांगड़े ने कहा कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए इस शराब दुकान को अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए या पूर्ण रूप से बंद किया जाना चाहिए।

ज्ञापन सौंपने के दौरान महिलाओं ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला अध्यक्ष अरुण मालाकार, पुरषोत्तम साहू, संजय दुबे, गणपत जांगड़े, गोपाल बाघे, रामनाथ सिदार, राकेश पटेल, बसंत चौधरी, मीरा बरीहा, सावित्री राणा, कुन्ती राणा, सुकांति सिदार, अनसूया सिदार अंबिका, सविता, द्रौनाचार्य सिदार, मोती राणा, राधाकांत पांडेय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व महिलाएं उपस्थित रहे।

दो दशक से अधूरी पड़ी है पठियापली बांध नहर परियोजना

- 50 से अधिक आवेदन, दर्जनों मांग पत्र और विभागीय पत्राचार के बाद भी खेतों तक नहीं पहुंची सिंचाई सुविधा

बरमकेला। बरमकेला क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित पठियापली बांध नहर परियोजना पिछले दो दशकों से अधूरी पड़ी हुई है। वर्ष 2005 में बांध निर्माण के समय किसानों को खेतों तक सिंचाई सुविधा पहुंचाने का भरोसा दिया गया था, लेकिन लगभग 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी नहर निर्माण पूरा नहीं हो सका है।

ग्राम पठियापली, भंवरपुर और डभरा सहित आसपास के किसानों को आज तक परियोजना का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया है। विडंबना यह है कि वर्ष 2012 से अब तक ग्रामीण 50 से अधिक बार आवेदनए मांग पत्र और शिकायतें दे चुके हैंए लेकिन परियोजना अब भी सरकारी फाइलों में अटकी हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि जब बांध का निर्माण किया गया था, तब क्षेत्र के किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा, कृषि उत्पादन में वृद्धि और आर्थिक समृद्धि के सपने दिखाए गए थे। किसानों ने भी परियोजना के लिए सहयोग किया और उम्मीद की कि आने वाले समय में उन्हें इसका लाभ मिलेगा। लेकिन दो दशक बाद भी नहर अधूरी है और किसान सिंचाई सुविधा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार ग्रामीणों ने विभिन्न मंचों पर लगातार अपनी मांग उठाई है। कलेक्टर से लेकर सिंचाई मंत्री और जिला पंचायत अध्यक्ष से लेकर समाधान शिविर तकए हर जगह नहर निर्माण की मांग रखी गई।

> इस स्थिति की जानकारी काफी पहले भेजी जा चुकी है। अब आगे हमें जो शासन से निर्देश मिलेगा उस अनुसार कार्रवाई करेंगे।
>
> **नमित डनसेना**
> **सिंचाई विभाग बरमकेला**

विभागीय जवाब फाइलें आगे बढ़ती रहीं काम नहीं

ग्रामीणों द्वारा बार बार मांग उठाने पर विभाग की ओर से समय समय पर जवाब दिए गए। हालांकि इन जवाबों का परिणाम धरातल पर दिखाई नहीं दिया। 02 अप्रैल 2016 कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग ने बताया कि फाइल उच्च कार्यालय भेज दी गई है तथा आगामी निर्देश मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। 2016 उप संभाग बरमकेला द्वारा बताया गया कि अधूरी नहर के लिए स्थल निरीक्षण किया जा रहा है तथा प्राक्कलन तैयार कर शासन को भेजा जाएगा। 29 दिसंबर 2022 कार्यपालन अभियंता ने बताया कि हेड स्लूस के समीप पिचिंग दब जाने से पानी बैरल के माध्यम से निकल जाता है तथा वेस्ट वियर का आधा भाग टूट चुका है। मनरेगा मद से कार्य संभव नहीं है, इसलिए आगामी बजट वर्ष में प्रस्तावित किया जाएगा।

एनटीपीसी के परियोजना प्रमुख बने कार्यकारी निदेशक

घरघोड़ा। एनटीपीसी तलईपल्ली कोयला खनन परियोजना के परियोजना प्रमुख अखिलेश सिंह को कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड पद पर पदोन्नत किया गया है। वर्ष 1993 में एनटीपीसी से अपने करियर की शुरुआत करने वाले श्री सिंह को ऊर्जा एवं खनन क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव प्राप्त है।

बिहार के भागलपुर विश्वविद्यालय से विद्युत अभियंत्रण में स्नातक श्री सिंह ने एनटीपीसी के विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं एवं प्रतिष्ठानों जैसे रिहंद, विंध्याचल, लारा, बोंगाईगांव तथा पश्चिमी क्षेत्र रायपुर में अपनी सेवाएं दी हैं। वे पूर्व में एनटीपीसी लारा एवं एनटीपीसी बोंगाईगांव में परियोजना प्रमुख के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। विद्युत अनुरक्षण, ईंधन प्रबंधन तथा संचालन एवं अनुरक्षण उनके प्रमुख विशेषज्ञता क्षेत्र हैं। उनके नेतृत्व में एनएमएल तलईपल्ली ने उत्पादन, सुरक्षा, सामुदायिक विकास तथा परिचालन उत्कृष्टता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

सेवानिवृत्त नपं कर्मचारी को दी गई विदाई

सरिया। 33 वर्षों तक नगर पंचायत सरिया में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहने के बाद सेवानिवृत हुए कर्मचारी बसंत दास को समारोह पूर्वक विदाई दी गई। और उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कर्मचारियों ने उन्हें घर तक छोड़ने भी गए। 62 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत हुए बसंत दास पहले ग्राम पंचायत कार्यकाल में कार्य किया। तत्पश्चात नगर पंचायत कार्यकाल के दौरान विभिन्न पदों से कार्य करते सेवानिवृत हुए। सोमवार को कर्मचारियों ने जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्मान समारोह आयोजित कर सेवानिवृत्त कर्मचारी बसंत दास के कार्यकाल की सराहना की। इस मौके पर सीएमओ लाल सिंह मरकाम ने कहा कि कर्तव्य से व्यक्ति कभी भी सेवानिवृत्त नहीं होता है।

पूर्ववर्ती सरकार की कागजों में पूरी हो गई योजनाएं

कागज पर हर गांव में नाडेप, धरातल पर जीरो

हरिभूमि न्यूज ⏭ पुसौर

पुसौर जनपद की 89 ग्राम पंचायतों में नाडेप निर्माण महज कागजों और फाइलों तक सीमित रह गया है। धरातल पर न गड्ढे हैं और न खाद बनती है न किसानों को लाभ मिल रहा है। लक्ष्य 100 प्रतिशत और उपलब्धि 20 प्रतिशत भी नहीं।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण और मनरेगा के तहत हर गांव में नाडेप टांका बनाने का लक्ष्य था। उसे पूरा भी किया गया था। जनपद पंचायत के रिकॉर्ड में तात्कालीन सभी 89 पंचायतों के प्रस्ताव टेक्निकल स्वीकृति और राशि आहरण के आंकड़े दर्ज हैं। कागज पर लाखों रुपए खर्च भी दिखाए गए हैं। पर गांव-गांव में देखने से हकीकत कुछ और निकली।

ग्राम पडिगांव, कठानी, लारा समेत दर्जनों गांवों में या तो नाडेप के नाम पर सिर्फ 3.4 फीट का गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया या फिर जगह ही तय नहीं हुई। कई जगह जहां गड्ढे बनी भी है, वहां तार फेंसिंग छप्पर और रखरखाव के नाम पर जीरो। बारिश में गड्ढा पानी से भर जाता है गोबर नहीं मात्र कचरे होते हैं जिसमें मच्छर पनपते हैं। किसान इसे बदबू वाला गड्ढा कहकर दूर से ही निकल जाते हैं। किसान पूछ रहा खाद कहां है। चूंकि नाडेप का मकसद था कि गोबर, पत्ती रसोई का कचरा सड़ाकर 3-4 महीने में जैविक खाद तैयार होगा और किसान को 5-10 रु किलो के हिसाब से खाद मिले और जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। कई ग्रामों के किसान कह रहे हैं कि सरपंच ने 4 साल पहले नाडेप के लिए फोटो खिंचवाई थी। उसके बाद न कोई देखने आया और न खाद बनी। हमारा गोबर तो आज भी खेत में ही सड़ रहा है। कई ग्रामों के महिला स्व सहायता समूह के अध्यक्षों ने बताया हमें ट्रेनिंग दी गई थी कि नाडेप चलाएंगे। पर पंचायत ने न जगह दी न सामग्री। अब समूह की दीदियां पूछती हैं कि काम कब शुरू होगा।

पूर्ववर्ती सरकार के समय का है काम

सूत्रों की माने तो यह पूर्व सरकार के कार्यकाल का था जिसमें लक्ष्य के अनुसार सभी पंचायतों में नाडेप स्वीकृत किया जाकर उसका निर्माण किया गया है और निर्माण की मॉनिटरिंग सरपंच सचिव करते हैं। तात्कालीन समय के सरपंचों का कहना था कि फंड कम आया, लेबर रेट कम रहा सामग्री महंगी थी ऊपर से अधिकारियों का दबाव कि फोटो भेजो। इसी चक्कर में कई जगह पुरानी टूटी खड्ड की फोटो खींचकर 2-3 बार अपलोड कर दी गई। पुसौर जनपद की सभी ग्राम पंचायतों की स्थिति लगभग एक जैसी है कागज पर पूर्ण- पोर्टल पर काम पूर्ण दिख रहा है किसान और समूहों को न खाद मिली न मानदेय जैविक खेती और गौठान को बढ़ावा देने के दावे करने वाली सरकार की योजना पुसौर में दम तोड़ रही है।